भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

ल खत प्रश्न सं. 2360

सोमवार, 01 अगस्त, **202**2/10 श्रावण, **194**4 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

बिहार में पारिस्थितिकी पर्यटन को बढ़ावा देना

2360. श्री दुलाल चन्द्र गोस्वामीः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कः

(क) क्या सरकार का वचार कटिहार संसदीय क्षेत्र सहित बिहार राज्य में पारिस्थितिकी पर्यटन को बढ़ावा देने का है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार कटिहार संसदीय क्षेत्र सहित बिहार राज्य में पारिस्थितिकी पर्यटन को बढ़ावा देने के लए निजी क्षेत्र को कोई प्रोत्साहन प्रदान कर रही है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. कशन रेड्डी)

(क) और (ख): पर्यटन मंत्रालय भारत का संवर्धन समग्र रूप में करता है। बिहार सहित देश के व भन्न पर्यटक गंतव्यों और ईको पर्यटन सहित अन्य उत्पादों के संवर्धन के लए 'अतुल्य भारत' ब्रांड लाइन के अन्तर्गत चल रहे अपने कार्यकलापों के भाग के रूप में यह महत्वपूर्ण एवं सम्भा वत वदेशी बाजारों में वैश्विक प्रंट, इलेक्ट्रॉनिक तथा ऑनलाइन मी डया अ भयान जारी करता है।

भारत को वैश्विक स्तर पर ईको पर्यटन हेतु एक प्राथ मकताप्राप्त गंतव्य के रूप में स्था पत करने के लए पर्यटन मंत्रालय ने ईको पर्यटन हेतु राष्ट्रीय कार्यनीति तैयार की है।

देश में स्थाई पर्यटन और ईको पर्यटन के संवर्धन के लए व भन्न कार्यनीतिक पहलों के प्रचालन और कार्यान्वयन के उद्देश्य से स चव (पर्यटन) की अध्यक्षता में स्थायी पर्यटन के लए एक राष्ट्रीय बोर्ड का गठन कया गया है , जिसमें अ भज्ञात केन्द्रीय मंत्रालयों/संगठनों , राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों और उद्योग हितधारकों के प्रतिनि ध शा मल हैं। इन उद्देश्यों में निम्न ल खत शा मल हैं:-

(i) वस्तृत कार्य योजना और सम र्पत योजना का निर्माण

(ii) प्रमाणन योजनाएं

(iii) क्षमता निर्माण, राष्ट्रीय और वैश्विक सर्वोत्तम पद्धतियों की प्रतिकृति

(iv) वपणन और संवर्धन

(v) निजी क्षेत्र की भागीदारी

(vi) गंतव्य और उत्पाद वकास

(vii) स्थाई एवं ईको पर्यटन के लए व शष्ट कार्यनीतियां

(viii) देश में स्थाई एवं ईको पर्यटन के वकास के लए कोई अन्य उपाय।

इसके अतिरिक्त, अवसंरचना वकास के लए राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को वत्तीय सहायता प्रदान करने के लए पर्यटन मंत्रालय ने वर्ष 2014-15 में स्वदेश दर्शन योजना की शुरूआत की थी। इस योजना के तहत "ईको परिपथ" को एक थीमैटिक परिपथ के रूप में चन्हित कया गया था। योजना की ईको परिपथ थीम के अंतर्गत देश के व भन्न राज्यों में स्वीकृत परियोजनाओं के ब्यौरे अनुबंध में दिए गए हैं।

पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटक एवं गंतव्य केन्द्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थाई एवं जिम्मेदार गंतव्यों के वकास के उद्देश्य से अब स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी.20) के रूप में स्वदेश दर्शन योजना को नया रूप दिया है। स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के दिशा-निर्देश राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को जारी कर दिए गए हैं।

(ग) और (घ): पर्यटन मंत्रालय ईको पर्यटन सहित घरेलू पर्यटन के संवर्धन के लए पात्र ट्रैवल तथा टूर ऑपरेटरों को बाजार वकास सहायता योजना के अंतर्गत वत्तीय सहायता प्रदान करता है।

******

अनुबंध

बिहार में पारिस्थितिकी पर्यटन को बढ़ावा देना के सम्बन्ध में दिनांक 01.08.2022 के लोक सभा के ल खत प्रश्न सं. 2360 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में ववरण

देश में स्वदेश दर्शन योजना के ईको परिपथ के तहत स्वीकृत परियोजना का ववरण

(रा श करोड़ रु. में)

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	स्वीकृत वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत रा श	निर्गत रा श
1.	उत्तगराखंड	**2015-16**	टिहरी-चंबा- टिहरी झील के आसपास सैरन का वकास	**69.17**	**65.71**
2.	तेलंगाना	**2015-16**	महबूबनगर जिले में ईको पर्यटन परिपथ का वकास	**91.62**	**87.04**
3.	केरल	**2015-16**	पथनम थ ा - गावी-वागमोन- थेक्कडी का वकास	**76.55**	**61.24**
4.	मजोरम	**2016-17**	आइज़ोल -रापुईछिप -खावहपहवप- लेंगपुई - -चेतलांग- साकावरमुइतइतलांग-मूथी - बेरातलवंग - तुइरियल एयरफ़ील्ड-हमुईफांग इको- एडवेंचर परिपथ का वकास	**66.37**	**49.53**
5.	मध्य प्रदेश	**2017-18**	गांधीसागर बांध - मंडलेश्वर बांध- ओंकारेश्वर बांध- इंदिरा सागर बांध- तवा बांध- बरगी बांध- भेड़ाघाट- बाणसागर बांध- केन नदी का वकास	**94.61**	**88.58**
6.	झारखंड	**2018-19**	दलमा - बेतला राष्ट्रीय उद्यान- मरचैया-नेतरहाट का वकास	**34.12**	**26.37**
			कुल	432.44	378.47

****